पाठ -2 ईदगाह

प्रश्न 1.ईद कब आती है?

ऊ.रमज़ान के पूरे तीस रोज़ों के बाद ईद आती है।

प्रश्न2.महमूद और मोहसिन के पास कितने पैसे है?

ऊ. महमूद के पास बारह पैसे हैं और मोहसिन के पास पंद्रह पैसे हैं।

प्रश्न3.हामिद क्यों प्रसन्न था?

ऊ. हामिद इसलिए प्रसन्न था क्योंकि उसे लगता था कि उसके अब्बाज़ान रुपए कमाने गए हैं और उसकी अम्मीज़ान अल्लाह मियाँ के घर से उसके लिए बहुत सी अच्छी चीजे लाने गई हैं।

प्रश्न 4.साथियों के खिलौनों को देखकर हामिद ने किस प्रकार अपने आप को समझाया?

ऊ.साथियों के खिलौनौ को देखकर हामिद ने अपने आप को यह कहकर समझाया कि ये खिलौने मिट्टी के तो है अगर गिरेंगे तो चकनाचूर हो जाएँगे।

प्रश्न 5.ईद के दिन बच्चे कयों खुश थे?

ऊ.ईद के दिन बच्चे इसलिए खुश थे क्योंकि वे ईदगाह जा रहे थे। सबके पास पैसे थे।वे बार बार अपने जेब से खजाना निकालकर गिन रहे थे।इन पैसो से वह बहुत चीज़े खरीदेंगे जैसे खिलौने,मिठाईयाँ,बिगुल,गेंद और ना जाने क्या क्या।

प्रश्न 6.अमीना क्यों उदास थी?

ऊ अमीना इसलिए उदास थी क्योंकि आज ईद का दिन है और उसके घर मे दाना तक नहीं है।गावँ के सारे बच्चे अपने अपने पिता के साथ जा रहे थे पर हामिद का तो अमीना के सिवा कोई नहीं था।अगर कहीं खो गया तो क्या होगा?तीन कोस चलेगा कैसे?पैरों में छाले हो जाएँगे।जूते भी तो नहीं हैं।यह सब सोचकर अमीना उदास थी।

प्रश्न 7.चिमटे का दाम सुनकर हामिद का दिल क्यों बैठ गया?

ऊ चिमटे का दाम सुनकर हामिद का दिल इसलिए बैठ गया क्योंकि चिमटे का दाम छह पैसे था जबकि हामिद के पास सिर्फ तीन पैसे थे।

प्रश्न8.हामिद ने अपने तीन पैसे चिमटे पर खर्च करना कयों ठीक समझा?

ऊ. हामिद ने अपने तीन पैसे चिमटे पर खर्च करना इसलिए ठीक समझा कयोंकि उसकी दादी के पास चिमटा नहीं था।रोटियाँ पकाते समय उनके हाथ जल जाते थे।अगर वह चिमटा ले कर जाएगा तो दादी बहुत खुश होंगी फिर उनकी ऊंगलियाँ कभी न जलेंगी और वह दुआएँ देंगी।

प्रश्न 9.अमीना का क्रोध स्नेह में क्यो बदल गया?

पाठ -2 ईदगाह

ऊ. जब हामिद ने अमीना से यह कहा कि तुम्हारी ऊँगलियाँ तवे से जल जाती थीं, इसलिए मैंने इसे ले लिया।यह सुनकर अमीना का क्रोध स्नेह में बदल गया।

ग.रिक्त स्थनों की पूर्ति कीजिए।

1.दामन फैलाकर हामिद को दुआएँ देती जाती थी।

2.हामिद ने चिमटे को इसतरह कंधे पर रखा मानो बंदूक हो।

3.ईदगाह जाने वालों की टोलियाँ नज़र आने लगीं।

4.लाखों के सिर एक साथ सजदे मे झुक गए.

5.अभागिन अमीना अपनी कोठरी मे बैठी रो रही है।

6.हामिद के अंदर प्रकाश है,बाहर आशा।